ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY

CENTRE FOR DISTANCE EDUCATION

NAGARJUNA NAGAR,

GUNTUR

ANDHRA PRADESH

PROGRAM PROJECT REPORT

110. MASTER OF ARTS (HINDI)

Master of Arts (Hindi)

PROGRAMME CODE: 110

MISSION : M.A. Hindi course is a job orienting one and opens many fields for the students through the country.

OBJECTIVES: The objectives of this course is to promote extensive and intensive study of Hindi literature, to promote extensive and intensive study of linguistics translation and area of mass media over and above Hindi literature, to provide wide opportunities of speaking in Hindi and to promote wide range researchers in Hindi language.

RELEVANCE: The Master of Arts (Hindi) programme offered through Open and Distance Learning mode is purely relevant and aligned with the goals and mission of CDE, ANU. This programme is designed to enhance the core potential of the learner in relating historic perspective with the contemporary socio linguistic scenario, which is globally ever dynamic. The student will learn contemporary applications in the relevant subjects and become eligible to handle every kind of institutional demands which is conforming to the University vission and mission.

NATURE OF PERSPECTIVE TARGET GROUP OF LEARNERS: Aim of open and distance eduation is to enhance the academic competence in those who were deprived of higher education for various socio-economic reasons. This programme is designed for candidates to provide quality education at affordable cost to larger sections of population by facilitating the reach of education to the doorsteps of people living in remote and far-flung areas. House wives, Dropouts, rural dwellers unskilled men, low level income group people in the society etc. who are unable to continue their studies due to various reasons can continue their studies with this program.

SKILLS AND COMPETENCE OF THE PROGRAMME: Inconsideration of the huge gap in education and industry and also in skill development now it is imperative on the part of every university to reach out every nooc and corner of the country where the institutions with significant infrastructure are not availble in order to elevate the status of the marginalised sections of the society especcially living in rural areas of the country. The only solution appears to be "open and distance education" and Acharya Nagarjuna University takes initiative by reaching out those unreached by ICT enabled blended mode of distance learning programmes. M.A. (Hindi) propgramme is an innovative programme. The learning outcomes of this programme are as follows:

- Professional development of teachers.
- Incorporating generic transferrable skills and competencies
- To develop critical learning, anylitical skills and research skills.

M.A (Hindi) - Program code: 110

Program Structure

Course code	Course	Internal assessment	External exams	Max. Marks	credits
Semester - 1					
101HN21	History of Hindi Literature	30	70	100	5
102HN21	Theory of Indian Literature	30	70	100	5
103HN21	Old and Medieval Poetry	30	70	100	5
104HN21	Hindi Prose	30	70	100	5
105HN21	Special Study of an Author - Premchand	30	70	100	5
Semester – 2					
201HN21	History of Hindi Literature	30	70	100	5
202HN21	Theory of Literature (Western)	30	70	100	5
203HN21	Modern Poetry	30	70	100	5
204HN21	Linguistics	30	70	100	5
205HN21	Special Study of an Author - Dinakar	30	70	100	5
Semester – 3					
301HN21	Official language Hindi – 1	30	70	100	5
302HN21	Indian Literature	30	70	100	5
303HN21	Hindi Literature of Andhras (Poetry)	30	70	100	5
304HN21	Translation	30	70	100	5
305HN21	Special Study of an Author – Kabirdas	30	70	100	5
Semester – 4					
401HN21	Official Language Hindi – 2	30	70	100	5
402HN21	Comparative Literature	30	70	100	5
403HN21	Hindi Literature of Andhras (Prose)	30	70	100	5
404HN21	History of Hindi Language	30	70	100	5
405HN21	Special Study – Chayavad	30	70	100	5

M. A. Hindi IV Semesters (4)

SEMESTER - 1

PAPER - 1 : HISTORY OF HINDI LITERATURE

101HN21 - हिन्दी साहित्य का इतिहास

पाठ्य पुस्तकें :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास - संपादक, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 23 दरियागंज, नई दिल्ली - 110 002 ।

पाठ्यांश

1. साहित्येतिहास दर्शन और हिन्दी साहित्य का इतिहास । इतिहास और साहित्येतिहास, साहित्येतिहास का समाज, धर्म, दर्शन और संस्कृति से संबंध, साहित्येतिहास-दर्शन, साहित्य के इतिहास के विविध दृष्टिकोण, साहित्येतिहास लेखन के विभिन्न अध्यायों के दृष्टिकोण, हिन्दी साहित्य का इतिहास, आधारभूत सामग्री, काल विभाजन और नामकरण, हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास ।

2. आदिकाल : आदिकाल का सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक संदर्भ और साहित्य के साथ संबंध, साहित्यिक चेतना, प्रवृत्तियाँ और काव्य-धाराएँ, प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकार, कलात्मक अभिव्यंजना, काव्य-रूप और भाषा-शैली ।

3. भक्तिकाल : भक्तिकाल का सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक संदर्भ और भक्ति आन्दोलन, भक्ति संप्रदाय और भक्ति साहित्य, भक्तिकालीन साहित्यिक चेतना, प्रवृत्तियाँ और काव्यधाराएँ, प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकार, कलात्मक अभिव्यंजना, काव्य-रूप और भाषा-शैली, भक्तिकाल की भक्तेतर रचनाएँ ।

4. रीतिकाल - रीतिकालीन काव्य के विभिन्न प्रेरणास्रोत-काव्य शास्त्र, कामशास्त्र, काम ललित कलाएँ, रीतिकाव्य : आचार्यत्व एवं रचना धर्मिता, रीतिकाल का सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक संदर्भ और साहित्य के साथ संबंध, रीतिकाल की साहित्यिक चेतना, प्रवृत्तियाँ और काव्य धाराएँ, श्रृंगार और श्रृंगारेतर वीर, भक्ति, नीति और कलात्मक अभिव्यंजना, काव्य-रूप और भाषा-शैली, रीति काव्य का नैतिक स्वर ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य - उद्भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, 8 - नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली - 110 012 ।
2. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग - 1) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी ।
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा, इलाहाबाद ।
4. हिन्दी साहित्य : बीसवी शताब्दी - नन्ददुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास - राजनाथ शर्मा - विनोद पुस्तक मंदिर, रांगेयराघव, अय आगरा - 2 ।

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A.,Ph.D
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 510

Final

SEMESTER - I

PAPER - II : THEORY OF INDIAN LITERATURE

102HN21 - भारतीय काव्य शास्त्र

पाठ्य पुस्तकें :

भारतीय काव्य शास्त्र : डॉ. विजयपाल सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

पाठ्यांश :

1. भारतीय साहित्य - सिद्धांत :-

   अ. रस तथा ध्वनि संप्रदाय : रस संप्रदाय का इतिहास, रस की अवधारणा, भरत का रस सूत्र और रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, रस का स्वरूप-लौकिक एवं अलौकिक, रसास्वादि, सुख दुखात्मक रस ।

   आ. ध्वनि संप्रदाय : ध्वनि संप्रदाय का इतिहास, स्फोट और ध्वनि, व्यंजना, ध्वनि भेद, ध्वनि की कोटियाँ, ध्वनि विरोधी अभिमत, औचित्य - औचित्य की अवधारणा, अंग संगति ।

2. अ. अलंकार, रीति और वक्रोक्ति संप्रदाय :

   अलंकार संप्रदाय: अलंकार संप्रदाय का इतिहास, अलंकार की अवधारणा-अस्थिर धर्म, वर्गीकरण, अलंकार और रस, रीति संप्रदाय : रीति सिद्धांत का इतिहास, रीति की अवधारणा, रीति के प्रकार, रीतियों का भौगोलिक व प्रादेशिक आधार, रीति और शैली, रीति और गुण ।

   आ. वक्रोक्ति संप्रदाय : वक्रोक्ति सिद्धांत और इतिहास, वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, स्वाभावोक्ति और वक्रोक्ति, साहित्य की परिभाषा, शब्द और अर्थ, कवि स्वभाव : रचना प्रक्रिया, कवि स्वभाव और रीति, वक्रोक्ति और अभिव्यंजना ।

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय और साहित्य शास्त्र - आचार्य बलदेव उपाध्याय, नन्दकिशोर एण्ड चौक, वारणासी ।
2. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका - डॉ. भगीरथ मिश्रा ।
3. काव्य के रूप - गुलाब राय, आत्माराम अण्ड संस, दिल्ली ।
4. भारतीय काव्य शास्त्र : परंपरा और सिद्धांत -डॉ. हरिमहिन, आर्याना, पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A.,Ph.D
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 5

SEMESTER - I

PAPER - III : OLD AND MEDIVAL POETRY

103HN21 - प्राचीन और मध्ययुगीन हिन्दी कविता

पाठ्य पुस्तकें :

1. अभिनव राष्ट्रभाषा पद्य संग्रह - संपादक - डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, अभिनव-भारती,42 - सम्मेलन मार्ग इलाहाबाद - 211 003, कबीरदास - साखी, सबद, जायसी-मानसरोदक खण्ड मात्र ।
2. पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय मात्र) - डॉ. हरिहरनाथ टेडन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा - 2
3. सूरदास - भ्रमरगीत सार (1-40 पद) संपादक - रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, वारणासी ।
4. तुलसीदास - ''तुलसी संचयन'' रामचरित मानसः (बालकांड मात्र) - संपादक डॉ. बी.पी. सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा - 2 ।
5. ''रीतिकाव्य संग्रह'' - संपादक डॉ. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन मंदिर 15-ए गांधी रोड, इलाहाबाद । बिहारी 1-80 दोहा, घनानंद -1-20 छन्द ।

पाठ्यांश

परंपरा और व्याख्या :

1. मध्ययुगीन कविता - पृष्ठभूमिः भक्ति आन्दोलन और लोक जागरण, भक्ति काव्यः दर्शन और संप्रदाय, भक्ति काव्य, सामाजिक चेतना और मानवीय संदर्भ, मध्यकालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य ।
2. निर्गुण भक्ति काव्यः कबीर और जायसी, कबीर काव्य प्रतिभा, भक्ति दर्शन, योगः रहस्यवाद, सामाजिक चेतना, अभिव्यंजना कौशल । जायसी : काव्य प्रतिभा, दर्शन, सूफी सिद्धांत और रहस्यवाद, पद्मावत में भारतीय संस्कृति तथा लोक जीवन के रूप, अभिव्यंजना कौशल ।
3. सगुण भक्ति काव्यः सूरदासः काव्य प्रतिभा, मौलिक प्रसंगों की उद्भावना, शुद्धाद्वैतः पुष्टिमार्ग और सूरदास, ब्रज की लोक संस्कृति, प्रतिपाद्य वात्सल्य, भक्ति और श्रृंगार व रस राजत्व, अभिव्यंजना कौशल । तुलसीदासः काव्य प्रतिभा, दर्शन और भक्ति भावना, सांस्कृतिक चेतना और युग संदर्भ, लोक नायकत्व, प्रबंध पटुता, अभिव्यंजना कौशल ।
4. रीतिकालीन काव्य : बिहारी : काव्य प्रतिभा, समास, शक्ति और समाहार शक्ति, मुक्तक परंपरा और बिहारी श्रृंगारिकता, अभिव्यंजना कौशल । घनानंद : काव्य प्रतिभा, स्वच्छंद चेतना, प्रेमानुभूति, विप्रलंभ श्रृंगार, अभिव्यंजना कौशल ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

3. रीतिकाल की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4. हिन्दी साहित्य में निर्गुण संप्रदाय - पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ ।
5. कबीर-हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6. जायसी - रामपूजन तिवारी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, बनारस ।
7. जायसी ग्रंथावली - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
8. गोस्वामी तुलसीदास - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
9. तुलसी काव्य मीमांसा- उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
10. सूरदास - रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
11. सूरदास - नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
12. सूर साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
13. बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, विद्या मंदिर प्रेस, बनारस ।
14. बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह, हिन्दी प्रचार संस्थान, वाराणसी ।
15. घनानंद कविता - भूमिका: विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, सरस्वती मंदिर, वाराणसी ।
16. घनानंद और स्वच्छंद काव्य धारा - मनोहर लाल गौड, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
17. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना - डॉ. बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
18. भक्ति काव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र, पीपुल्स लिटरेसी 517 मटिया महल, दिल्ली - 110 0061
19. भक्ति काव्य स्वरूप और संवेदना - राम नारायण शुक्ल, संजय बुक सेंटर, वाराणसी ।

K. SRIKRISHNA, M.A., Ph.D
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 510

SEMESTER - I

PAPER - IV : HINDI PROSE

104HN21 - गद्य साहित्य - नाटक, उपन्यास, कहानी संग्रह, निबंध

पाठ्य पुस्तकें :

1.अ. निर्मला - प्रेमचन्द ।

आ. चन्द्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद ।

2.अ. एकांकी संग्रह - श्रेष्ठ एकांकी - संपादक - डॉ. विजयपाल सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 23 दरियागंज, नयी दिल्ली । 110 002

आ. चिन्तामणि - भाग - 1 रामचन्द्र शुक्ल ।

पाठ्यांश :

1. 1. निर्धारित उपन्यास और कहानियों का तत्व निरूपण ।

2. निर्धारित नाटक और एकांकियों का तात्विक अध्ययन ।

2. 1. सात श्रेष्ठ कहानियाँ - संपादक : शारदा देवी वेदालंकार, लोक भारती प्रकाशन, 15 - ए, महात्मागांधी मार्ग, इलाहाबाद । विस्तारपूर्वक - अध्ययन हेतु ।

2. गद्य विविधा : हिन्दी साहित्य भण्डार, 55, चौपाटिया रोड़, लखनऊ - 226 003 ।

3. निबंध : समीक्षात्मक अध्ययन

निबंधों की वस्तु

शुक्ल की जीवनदृष्टि

निबंधों की संरचना

शुक्ल की निबंध कला

रेखाचित्र : जीवनी, संस्मरण, रिपोर्ताज, यात्रा वृत्त- आदि विविध गद्य विधाओं का विवेचनात्मक अध्ययन ।

सहायक ग्रन्थ :

1.हिन्दी उपन्यास प्रवृत्तियाँ और शिल्प - शशिभूषण सिंहल ।

2.हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन - डॉ. एस.एन.गणेशन, राजकमल एण्ड संस, दिल्ली ।

3.हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास ।

4.हिन्दी साहित्य में निबन्ध का विकास: ओंकारनाथ शर्मा - अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर ।

5.हिन्दी नाटक उद्भव और विकास : दशरथ ओझा - राजपाल - दिल्ली ।

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A. Ph.D
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 510

SEMESTER - I

PAPER - V : SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR

PREMCHAND

105HN21 - विशेष अध्ययन - प्रेमचन्द

पाठ्य पुस्तकें :

1. उपन्यास : गोदान, सेवासदन, रंगभूमि ।
2. कहानियाँ : मानसरोवर भाग -1, (1-10 कहानियाँ मात्र) ।
1. कलम का सिपाही - प्रेमचंद - अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2. प्रेमचंद जीवनी और कृतित्व - हंसराज रहबर, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली ।
3. समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद - महेन्द्र भटनागर, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणासी ।

पाठ्यांश :

1. गोदान, सेवासदन, रंगभूमि ।
1. पृष्ठभूमि: हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास - प्रेमचंद तक, प्रेमचंद का उपन्यास साहित्य : एक विहंगावलोकन, रचनाशीलता के प्रेरणास्रोत, हिन्दी प्रदेश के समाज की संरचना और समस्याएँ, प्रेमचंद के उपन्यासों की केन्द्रीय वस्तु और विचारधारा ।
2. प्रेमचंद के उपन्यासों का विस्तृत अध्ययन :

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचंद चिंतन और कला - इन्द्रनाथ मदान, सरस्वती प्रेस, बनारस ।
2. प्रेमचंद और गोदान : नव मूल्यांकन - कृष्णदेव झारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वारणासी ।
3. प्रेमचंद आलोचनात्मक अध्ययन - राजनाथ शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आग्रा ।
4. प्रेमचंद : एक अध्ययन - राजेश्वर गुरु - एस. चन्द्र अण्ड को, दिल्ली ।
5. प्रेमचंद की कहानियाँ - एक अध्ययन ।

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A.,Ph.D
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 510

SEMESTER - II

PAPER - I : HISTORY OF HINDI LITERATURE

201HN21 - हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पाठ्य पुस्तकें :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास - संपादक, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 23 दरियागंज, नई दिल्ली -110 002 ।

पाठ्यांश :

अ. आधुनिक काल : पृष्ठभूमि और काव्य: आधुनिक काल का सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक संदर्भ, भारतीय नवजागरण और राष्ट्रीय आन्दोलन, नवीन साहित्यिक चेतना का विकास, नये रूप और भाषा - शैली, भारतेंदु युग, द्विवेदी युगीन काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और समकालीन कविता, काव्य धारा का सामाजिक संदर्भ और प्रवृत्तिमूलक ऐतिहासिक विकास और प्रमुख कवि ।

आ. आधुनिक काल : गद्य साहित्य - आधुनिकता बोध और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, हिन्दी साहित्य के संदर्भ में । निबन्ध विधा : ऐतिहासिक विकास एवं वर्गीकरण, प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकार ।

उपन्यास विधा : ऐतिहासिक विकास और वर्गीकरण, प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकार ।

कहानी विधा : ऐतिहासिक विकास और नया रूप, प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकार ।

अन्य विधाएँ : एकांकी, रेडिया नाटक, रेखाचित्र, संस्मरण आदि । ऐतिहासिक विकास और वर्गीकरण, प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकार । समसामयिक समाजिक सांस्कृतिक समस्याएँ और हिन्दी का समकालीन गद्य साहित्य ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य - उद्भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, 8 - नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली - 110 012 ।
2. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग -1) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वारणासी ।
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा, इलाहाबाद ।
4. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी - नन्ददुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास - राजनाथ शर्मा - विनोद पुस्तक मंदिर, रांगेयराघव, अव आगरा - 2 ।

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A. Ph.D
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 510

SEMESTER - II

202HN21 - PAPER - II : THEORY OF LITERATURE (WESTERN)

पाश्चात्य काव्य शास्त्र

पाठ्य पुस्तकें :

1.पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. विजयपाल सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

2.पाश्चात्य काव्य शास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

पाठ्यांश :

1.अ. पाश्चात्य काव्य शास्त्र (प्राचीन) । प्लेटो - काव्य प्रेरणा का सिद्धांत, अनुकृति, काव्य पर आरोप ।

अरस्तु : अनुकृति, त्रासदी और उसके तत्व, विरेचन ।

लॉजाइनस : काव्य में उदात्त तत्व, उदात्त की अवधारणा ।

आ. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : (अर्वाचीन) आई. एस. रिचर्डस् - मूल्य एवं सम्प्रेषण का सिद्धांत, भाषा के विशिष्ट प्रयोग, आलोचक के गुण ।

टी.एस. इलियट - परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, वस्तुनिष्ठ समीकरण, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत ।

एफ. आर. लेविस - मूल्य - विवेचन ।

2. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन : आधार और आदि रचना, साहित्य और वर्ग संघर्ष, साहित्य और विचार प्रणाली, आलोचनात्मक यथार्थवाद और समाजवादी यथार्थवाद, प्रतिबद्धता और पक्षधरता ।

अस्तित्ववादी साहित्य चिंतन :

3. साहित्य रूपों का अध्ययन ।

काव्यरूपों का अध्ययन: महाकाव्य, प्रबंध काव्य, मुक्तक काव्य, गीति काव्य आदि ।

उपन्यास और कहानी

नाटक और एकांकी

निबंध

रेखाचित्र

संस्मरण

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र - डॉ. अर्चना श्रीवास्तव - विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्षी भवन, चौक पो.बां. 1149, वाराणसी ।

2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत - डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली - 110 006 ।

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A.,Ph.D
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 5

SEMESTER - II

PAPER - III : MODERN POETRY

203HN21 - आधुनिक कविता

पाठ्य पुस्तकें :

1.अ. प्रिय प्रवास - प्रथम सर्ग : "हरिऔध" ।

आ. कामायनी - जयशंकर प्रसाद, "श्रद्धा" ।

2.अ. सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला" - राम की शक्ति पूजा ।

आ. सुमित्रानंदन पंत - नौका विहार, ताज, भारत माता, वृत झरो ।

इ. महादेवी वर्मा :1. धीरे - धीरे उतर क्षितिज से ।

2. विरह का जलजात जीवन ।

3. तुम मुझ में प्रिय ।

4. मधुर - मधुर मेरे दीपक जल ।

5. मैं नीर भरी - दुःख की बदली ।

II. **आधुनिक कविता - पृष्ठभूमि :**

1. आधुनिक शब्द की व्याख्या, मध्यकालीन संवेदना और आधुनिक संवेदना, आधुनिकता की दिशाएँ, आधुनिक काव्य के प्रेरणा स्रोत, आधुनिक कविता का विकास, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग ।

2. छायावादी कविता : छायावाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, छायावादी काव्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवि, छायावादी कविता के आधार स्तंभ, प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी का काव्य विकास ।

क. जयशंकर प्रसाद - काव्य वैशिष्ट्य, काव्य की अंतर वस्तु रूप और अभिव्यंजना कौशल, कामायनी की और महाकाव्य की नयी अवधारणा, कामायनी : छायावादी काव्य की मानक कृति, मानव मूल्य, जीवन दर्शन, प्रेम और सौन्दर्य ।

ख. निराला - काव्य वैशिष्ट्य, प्रगति और प्रयोग, भाषा और शिल्प संवेद्य और समृद्धि, निराला की लम्बी कविताएँ और महाशाब्यात्मक गरिमा, क्रांतिकारी कवि निराला, सौन्दर्य और प्रेम के गायक निराला।

ग. "पंत" काव्य-वैशिष्ट्य, कल्पना और सौन्दर्य, पंत का प्रकृति काव्य, भाषा सैष्ठव, काव्य शिल्प ।

घ. महादेवी वर्मा - दार्शनिक आधार, गीतात्मकता ।

छायावादोत्तर काव्य : छायावादी काव्य और छायावादोत्तर काव्य की विभाजक रेखा । प्रगतिवाद और प्रयोगवाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ ।

साठोत्तरी कविता : कविता के आयाम, छायावादोत्तर विशिष्ट रचनाकार ।

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य - बीसवीं शताब्दी - नंद दुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2. आधुनिक साहित्य - नंद दुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4. छायावाद - नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7. निराला की साहित्य साधना : भाग - दो - राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8. क्रांतिकारी कवि निराला - बच्चन सिंह ।
9. कविता के प्रतिमान - डॉ. नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
10. समकालीन हिन्दी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी ।

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A., Ph.D
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 5...

SEMESTER II

PAPER - IV : LINGUISTICS

204HN21 - भाषा विज्ञान

पाठ्य पुस्तक :

भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद ।

पाठ्यांश :

1. भाषा की परिभाषा - भाषा की संरचना - भाषा विकास के मूल कारण - भाषा के विविध रूप, भाषा विज्ञान की परिभाषा - भाषा विज्ञान की शाखाएँ । भाषाओं का आकृतिमूलक वर्गीकरण, भाषा विज्ञान का इतिहास - मुनित्रय, पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि ।
2. ध्वनि विज्ञान - ध्वनि तथा भाषा ध्वनि में अंतर, ध्वनि यंत्र - विभिन्न आधारों पर ध्वनियों का वर्गीकरण। ध्वनि परिवर्तन के कारण और ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ-ध्वनि गुण - ध्वनि नियम - बर्नर नियम - ग्रिम नियम, ग्रासमैन नियम ।
3. रूप विज्ञान-रूप और शब्द में अंतर - रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ । अर्थ विज्ञान - अर्थ परिवर्तन के कारण और अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ । शब्द विज्ञान - शब्द की परिभाषा - शब्दों का वर्गीकरण - शब्द भण्डार में परिवर्तन के कारण ।
   वाक्य विज्ञान - वाक्य की परिभाषा, वाक्यों के प्रकार, वाक्य गठन में परिवर्तन के कारण ।

सहायक ग्रन्थ :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
2. सामान्य भाषा विज्ञान - बबूराम सक्सेना, हिन्दी हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।

SEMESTER II

PAPER - V : SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR

DINAKAR

205HN21 - विशेष अध्ययन : दिनकर

पाठ्य पुस्तकें :

1. अ. हुँकार ।
   आ. कुरूक्षेत्र - (6,7, सर्ग मात्र) ।
   इ. रश्मिस्थी - चौथा सर्ग मात्र ।
   ई. ऊर्वशी - (तीसरा सर्ग मात्र) ।
1. दिनकर के काव्यों का विस्तृत अंध्ययन : हुँकार

वस्तु और विचार के स्वरूप का विवेचन, विद्रोही चेतना, शिल्प योजना, भक्ति संरचना, निष्कर्ष ।

2. आधुनिक हिन्दी कविता का परिवेश और दिनकर की साहित्य साधना : एक विहंगावलोकन, रचनाशीलता ।

सहायक ग्रन्थ :

1. युगचरण दिनकर - डॉ. सावित्री सिन्हा ।
2. दिनकर : चैचारिक क्रान्ति के परिवेश में - डॉ. पी. आदेश्वर राव ।
3. दिनकर की कविता में विचार-तत्व : डॉ. एस. शेषारत्नम ।
4. ऊर्वशी : संवेदना एवं शिल्प : डॉ. वचनदेव कुमार बालोन्दु शेखर तिवारी ।

SEMISTER - III
PAPER - I : OFFICIAL LANGUAGE HINDI
301HN21 - राजभाषा हिन्दी - I

पाठ्य पुस्तकें :

1. राजभाषा हिन्दी - डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया पब्लिकेशन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. व्यावहारिक राजभाषा - Noting & Drafting. डॉ. आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, 3-14, 3014 चरखेवालान, दिल्ली - 110 006 ।
3. राजभाषा प्रबन्धन - गोवर्धन ठाकुर, मैथिलि प्रकाशन, हैदराबाद ।

पाठ्यांश :

i. भारत सरकार की राजभाषा नीति ।

1. भारत में राजभाषा का इतिहास ।
2. भारतीय संविधान और राष्ट्रपति के आदेश :
   - i. भारत के संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधान (अनुच्छेद एवं अष्टम अनुसूची) ।
   - ii. भारत के राष्ट्रपति द्वारा जारी किए गए आदेश ।
3. राजभाषा आधिनियम, 1963 (यथासंशोधित) ।
4. राजभाषा संकल्प, 1968 ।
5. राजभाषा नियम, 1976 (यथासंशोधित) ।
6. राजभाषा से संबंधित कार्यात्मक निकायों का गठन :
   - i. राजभाषा विभाग ।
   - ii. केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय ।
   - iii. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग ।
   - iv. विधि शब्दावली आयोग ।
   - v. केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो ।
   - vi. हिन्दी शिक्षण योजना/केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान ।
7. विविध समितियों का गठन और उनके कार्यकलाप ।
   - i. केन्द्रीय हिन्दी समिति ।
   - ii. संसदीय राजभाषा समिति ।
   - iii. हिन्दी सलाहकार समिति ।
   - iv. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति ।
   - v. राजभाषा कार्यान्वयन समिति ।

ii राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के पहलू :

1. राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित प्राथमिक अपेक्षाएँ ।
2. हिन्दी में कार्य करने की यांत्रिक सुविधाएँ और उन पर प्रशिक्षण ।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी से संबंधित संदर्भ साहित्य ।
4. भारत सरकार के अन्य महत्वपूर्ण अनुदेश ।
5. क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालयों का गठन ।
6. वार्षिक कार्यक्रम ।
7. हिन्दी/हिन्दी टंकण/ आशुलिपि सेवाकालीन प्रशिक्षण ।
8. प्रोत्साहन योजनाएँ ।
9. कार्यालयों/ कर्मचारियों की जिम्मेदारियाँ ।

सहायक ग्रंथ :

हिन्दी आलेखन, रामप्रसाद किंथला, राजेश्वर, पब्लिकेशन्स, 19 बी/13 एलगिन रोड, इलाहाबाद ।

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A. Ph.D
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 5**

SEMESTER - III

PAPER II : INDIAN LITERATURE

302HN21 - भारतीय साहित्य

पाठ्य पुस्तक :

भारतीय साहित्य :

1. डॉ राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी और डॉ. अशोक तिवारी, हरीश प्रकाशन मन्दिर, 301, गोल्डन पेलेस (प्रथमतल) अस्पताल मार्ग, आगरा - 282003 (उ.प्र)

पाठ्य विषय :

प्रथम खण्ड :

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप
   - i. भारतीय साहित्य का स्वरूप एवं उद्देश्य ।
   - ii. भारतीय साहित्य का सामासिक स्वरूप ।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ :
   - i. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ :
   - ii. हिन्दी साहित्य के इतिहास - लेखन की समस्या ।
3. भारतीयता का समाजशास्त्र
4. हिन्दी - साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति ।

द्वितीय खण्ड:

1. पूर्वांचल भाषा - वर्ग उड़िया, बंगला, असमिया, मणिपुरी

बंगला साहित्य का इतिहास

1. बंगला भाषा का सामान्य परिचय ।
2. पूर्व - मध्यकालीन बंगला साहित्य ।
3. उत्तर - मध्यकालीन बंगला साहित्य ।
4. बंगला भाषा में विद्यासुन्दर काव्य ।
5. बंगला भाषा में शैव-सिद्ध साहित्य ।
6. बंगला साहित्य के सन्धिकाल का परिचय ।
7. सामयिक पत्रों का आविर्भाव और प्रभाव ।
8. 19वीं शताब्दी का बंगला-काव्य ।
9. बंगला गद्य और ईश्वरचन्द्र विद्यासागर ।
10. 19वीं शताब्दी का बंगला - काव्य ।
11. 20वीं शताब्दी का बंगला साहित्य का विकास ।
12. बंगला नाटक का उद्‌भव और विकास ।
13. बंगला भाषा का उपन्यास साहित्य ।
14. बंगला भाषा का कहानी साहित्य ।
15. बंगला साहित्य में रवीन्द्रनाथ का योगदान ।
16. बंगला भाषा के गद्य साहित्य का उद्‌भव और विकास ।

तृतीय खण्ड : उपन्यास : अग्निगर्भ - महाश्वेता देवी ।

1. सन् 1967 के नक्सलवादी आन्दोलन ।
2. "अग्निगर्भ" उपन्यास के सन्दर्भ में लेखिका के विचार ।
3. "अग्निगर्भ" उपन्यास के कथानक ।
4. राजनीतिक दलों के सन्दर्भ में काली साँतरा के विचार ।
5. बसाई टूडू (टोरू) का चरित्र - चित्रण ।
6. काली साँतरा का चरित्र-चित्रण ।
7. "अग्निगर्भ" उपन्यास में देश-काल का वर्णन ।
8. देउकी मिसिर का चरित्र-चित्रण ।
9. मातो डोम का चरित्र-चित्रण ।
10. बेतूल का चरित्र-चित्रण ।
11. लस्कर का चरित्र-चित्रण ।
12. द्रोपदी का चरित्र-चित्रण ।
13. "अग्निगर्भ" उपन्यास की भाषा - शैली ।
14. मघई का चरित्र-चित्रण ।
15. "अग्निगर्भ" उपन्यास के नाम की सार्थकता ।

<u>कविता-संग्रह : वर्षा की सुबह (उड़िया - सीताकांत महापात्र)</u> ।

1. "वर्षा की सुबह" संग्रह में संकलित कविताओं का परिचय ।
2. सीताकान्त महापात्र की कविताओं का मूल्यांकन ।
3. "वर्षा की सुबह" के आधार पर सीताकांत महापात्र की भाषा-शैली ।
4. "वर्षा की सुबह" संग्रह में संग्रहित कविताओं की विशेषताएँ ।

<u>नाटक : हयवदन (कन्नड-गिरीश कर्नाड)</u> ।

1. नाटक का परिचय ।
2. नाटक की कथावस्तु ।
3. नर और नारी की अपूर्णता ।
4. देवदत्त का चरित्र-चित्रण ।
5. कपिल का चरित्र-चित्रण ।
6. पद्मिनि का चरित्र-चित्रण ।

<u>सहायक ग्रंथ</u> :

1. तुलनात्मक अध्ययन : तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - इन्द्रनाथ चौधरी, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा,
2. समकालीन भारतीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।
3. तुलनात्मक साहित्य - डॉ. नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
4. भारतीय भाषाओं का संक्षिप्त इतिहास - केंद्रिय हिन्दी निर्देशालय ।
5. तुलनात्मक साहित्य - संपादक राजूरकर, राजमल बोरा,
6. भारतीय आलोचना शास्त्र - राजवंश सहाय, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
7. भारतीय साहित्य का समेटिक इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

K. SRIKRISHNA, M.A. Ph.D
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 5..

Semester-III

Paper-III-Hindi literature of Andhra's

303 HN21- आन्ध्रों की हिन्दी साहित्य -सिंहावलोकन

पाठ्यांश-

इकाई -1. भारतीय भाषाएँ- वर्गीकरण

इंडो- आर्य भाषा परिवार

पस्टो- एशियाटिक भाषा परिवार

टिबटो-बर्मन भाषा परिवार

इकाई- 2. तेलुगु भाषा का इतिहास

इकाई-3. आन्ध्रों में हिन्दी लेखन- लक्ष्यार्थ

लेखकाधारित स्वरूप

ऐतिहासिक क्रम

वर्गीकरण

इकाई-4. आध्रों का हिन्दी साहित्य- विस्तृत परिचय

कविता, उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

आलोचना साहित्य, अनूदित साहित्य, व्यंग साहित्य

इकाई-5. आन्ध्रों का समकालीन गद्य साहित्य

Reference Books

1.Telugu Bhasha ka Itihas- Mool Telugu Lekhak- Achaary Velamala Simmana, Hindi Roopaantar- prof. S.A. Sooryanaaraayan Varma.

2. Beesaveen sadee ka Telugu saahity -Dr. I. N. Chandrashekhar Reddy.

3. Beesveen sadee ka telugu saahity - sampaadak- Dr. Vijayaraaghav reddee

4. Achaary P. Adeshvar Rao jee ka Abhinandan Granth- Sampaadak- Achaary Yaarlagadda Lakshmeeprasaad.

SEMESTER - III

PAPER - IV : TRANSLATION

304HN21 - अनुवाद विज्ञान

प्रथम खण्ड - क

पाठ्य पुस्तक :

अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली ।

पाठ्यांश :

1. अनुवाद शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा और स्वरूप ।
2. अनुवाद की प्रक्रिया ।
3. अनुवाद के प्रकार ।
4. अनुवाद की शैलियाँ ।
5. अनुवाद और भाषा विज्ञान ।
6. अनुवाद क्या है? शिल्प, कला, विज्ञान ।

द्वितीय खण्ड - ख

1. मुहावरों तथा लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ ।
2. काव्यानुवाद की समस्याएँ ।
3. अनुवाद की व्यावहारिक कठिनाईयाँ ।
4. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ ।
5. कार्यालय साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ ।
6. साहित्यक के अनुवाद की समस्याएँ ।
7. पारिभाषिक व तकनीकी शब्दावली का निर्माण ।
8. अनुवाद : अभ्यास (मुहावरों का, कहावतों का, तकनीकी शब्दावली व विभिन्न विषयक गद्यांशो का)।

सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी सिद्धांत और व्यवहार - डॉ. रघुनंदन प्रसाद शर्मा, विश्व विद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल ।
3. अनुवाद कला - विश्वनाथ अय्यर, पराग प्रकाशन, दिल्ली ।
4. प्रमाणिक आलेखन और टिप्पणी - विराज, विश्वविद्यालय प्रकाशन ।
5. व्यावहारिक हिन्दी : डॉ. कैलाश चन्द्र भटिया, तक्षशिला प्रकाशन, अन्सारी रोड, दिल्ली - 110 002.
6. अनुवाद कला - सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, अन्सारी रोड, दिल्ली - 110 002.
7. हिन्दी में सरकारी कामकाज, राजविनायक सिंह, हिन्दी प्रचारक पब्लिकेशनस् प्रा.लि. सी. 21/30 विशालमोचन, वाराणसी - 221 010 .
8. प्रयोजन मूलक हिन्दी, डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, 21 -ए, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002.
9. प्रयोजन मूलक हिन्दी, डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - 110 002.
10. व्यावहारिक हिन्दी और भाषा संरचना, डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, नरेन्द्रप्रकाश जैन, मोतीलाल बनारसीदास, बंगलो रोड, दिल्ली - 110 002.
11. प्रयोजन मूलक हिन्दी, डॉ. कमल कुमार बोस, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, 28 शॉपिंग सेन्टर, करमपुरा, नई दिल्ली - 110 005.

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A. Ph.D
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 510

SEMISTER - III

PAPER V: SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR

KABIRDAS

305HN21 - विशेष अध्ययन : कबीरदास

पाठ्य पुस्तक :-

कबीर ग्रंथावली : सम्पादक : डॉ. श्याम सुन्दर दास ।
प्रकाशक, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

पाठ्यांश :

क. विस्तृत अध्ययन हेतु निर्धारित अंश :-

1. गुरुदेव कौ अंग
2. सुमिरण कौ अंग
3. बिरह कौ अंग
4. ग्यान बिरह कौ अंग
5. परचा कौ अंग
6. निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग
7. चितावणी कौ अंग
8. मन कौ अंग
9. माया कौ अंग
10. सहज कौ अंग
11. सांच कौ अंग

ख. पद : 1 से 30 तक

आलोचना विषय :-

निर्गुण मत और कबीर ।
भक्ति आन्दोलन और कबीर ।
मध्यकालीन युगीन परिस्थितियाँ ।
संत काव्य परम्परा ।
कबीर की जीवनी एवं व्यक्तित्व ।
कबीर का साहित्य ।
कबीर की सामाजिक विचारधारा ।
निर्गुण भक्ति एवं कबीर ।
कबीर की दार्शनिक विचारधारा ।
कबीर का रहस्यवाद ।
कबीर का काव्य-शिल्प ।
कबीर का उलटवासियाँ ।
कबीर की प्रासंगिकता ।
कबीर के साहित्य में प्रयुक्त कुछ पारिभाषिक शब्द-अजपाजाप, अनहदनाद, उनमन, निरंजन, सुरति निरति सहज, शून्य नाद-बिन्दु औंधा कुआँ ।

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A. Ph.D.
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR, 522 510

व्याख्या के लिये स्वीकृत पाठ्यक्रम

1. गुरुदेव कौ अंग
2. विरह कौ अंग
3. परचा कौ अंग
4. माया कौ अंग
5. उपदेश कौ अंग

सहायक ग्रंथ :-

1. कबीर की विचार धारा - गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्यनिकेतन, कानपुर ।
2. हिन्दी का निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि-डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्यनिकेतन कानपुर ।
3. निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृत्ति - डॉ. रामपाण्डेय, सद्भाव निरंजन, प्रकाशन, दिल्ली ।
4. सन्तों की सांस्कृतिक संसुति - डॉ. राज रतन पाण्डेय, उपकार प्रकाशन, दिल्ली ।
5. कबीर मीमांसा - डॉ. रामचन्द्र तिवारी - लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
6. कालजयी कबीर - सम्पादक - हर महेंद्र सिंह बेदी, गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
7. कबीर साहित्य की परख - परशुराम चुतर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
8. कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
9. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय - पीताम्बर दत्त बडथ्वाल अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ ।
10. कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धांत - सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, गुलावपुरा ।
11. संतों राह दुओ हम दीठा - सम्पादक - भगवानदेव पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणासी ।
12. कबीर दर्शन : रामजी लाल सहायक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
13. आधुनिक कबीर - डॉ. राजदेव सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद ।
14. कबीर समग्र : प्रथम खण्ड, द्वितीय खण्ड - प्रो. पुगेश्वर, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वारणासी ।

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A., ...
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 ...

IV-SEMESTER
PAPER-I: OFFICIAL LANGUAGE HINDI
401HN21 - **राजभाषा हिन्दी-II**

पाठ्यांश

इकाई -1 :**हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली:**पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषा और स्वरूप ।

1. हिन्दी मे पारिभाषिक शब्दावली संबंधी सरकारी नीति और हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों की संरचना संबंधी सिद्धांत ।
2. हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों के निर्माण की प्रक्रिया ।
3. पारिभाषिक शब्दावली के अध्ययन में प्रामाणिक संस्थागत कार्य ।
4. पारिभाषिक शब्दों के प्रयोग से संबंधित कठिनाइयाँ ।

इकाई -2 :**हिन्दी में टिप्पण लेखन:**

1. कार्यालयीन टिप्पण लेखन से संबंधित सामान्य सिद्धांत और नियम ।

इकाई -3 :हिन्दी मे पत्राचार के विविध प्रकार और उनका प्रारूप लेखन:

1. पत्राचार के प्रकार :(सरकारी पत्र, अर्ध-सरकारी पत्र, अनुस्मारक, अंतर कार्यालय ज्ञापन, पृष्ठांकन आवेदन, अभ्यावेदन इत्यादि) ।
2. राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) मे विनिर्दिष्ट विविध कार्यालयीन दस्तवेजों का हिन्दी मे प्रारूप लेखन (आदेश, परिपत्र, नियम, अधिसूचनाएँ, निविदा सूचनाएँ, संविदाएँ, करार, प्रतिवेदन इत्यादि) ।

इकाई -4 : राजभाषा-पत्रकारिता :

1. पत्रकारिता के सामान्य सिद्धांत प्रकार और प्रवृत्तियाँ ।
2. प्रसार - प्रचार का माध्यम एवं पत्रकारिता ।
3. पत्रकारिता की भाषा ।
4. हिन्दी में समाचार / संवाद - लेखन ।
5. पत्र - पत्रिकाओं का संपादन ।
6. हिन्दी में व्यवहारिक पत्रकारिता ।
7. पत्रकार/संवाददाता की जिम्मेदारियाँ ।

इकाई -5 :हिन्दी कंप्यूटरीकरण और सूचना प्रौध्योगिकी के परिप्रेक्ष्य मे हिन्दी शब्द संसाधन ।

पाठ्य पुस्तकें:

1. **राजभाषा हिन्दी** : डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया पब्लिकेशन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. **व्यवहारिक राजभाषा** : Noting & Drafting डॉ. आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, 3-14, 3014 चरक्केवालान, दिल्ली - 110061.
3. **राजभाषा प्रबंधन** : गोवर्धन ठाकुर, मैथिली प्रकाशन, हैदराबाद ।

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी आलेखन, रामप्रसाद विपूल, राजेश्वर पब्लिकेशन्स, 19 बी/3 एलगिन रोड, इलाहाबाद ।

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A.,
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 510

IV-SEMESTER
PAPER-II: COMPARATIVE LITERATURE
402HN21 - तुलनात्मक अध्ययन

पाठ्यांश

इकाई -1 :तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की पविधि :

1. तुलनात्मक साहित्य, परिभाषा और स्वरुप विवेचन - सान्य और वैषम्य ।
2. तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की पविधि - 1: सादृश्य संबंधात्मक प्रविधि, अध्ययन की परंपरा प्रविधि, प्रभाव प्रविधि, अध्ययन की स्वीकृति तथा संचार प्रविधि, सौभाग्य प्रविधि, संबंधात्मक पविधि ।
3. तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की प्रविधि - 2 : वस्तुबीज थिमेटिक्सी की दृष्टि से तुलनात्मक अध्ययन, नव रूपायन (प्रो. फिगरेशन) की दृष्टि से तुलनात्मक अध्ययन - गृहित अध्ययन (रिसेप्शन स्टडीज) की दृष्टि से तुलनात्मक अध्ययन, आदान-प्रदान तथा अन्य प्रकार ।
4. तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका ।

इकाई -2 भारतीय साहित्य की अवधारणा :

1. तुलनात्मक भारतीय साहित्य और भारतीय साहित्य के इतिहास की संकल्पना ।
2. तुलनात्मक आलोचना और उसका नया रूप : अंतर विकर्ती आलोचना का स्वरूप विश्लेषण ।

इकाई -3 : हिन्दी - तेलुगु साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन :

1. कालखंड- आदिकाल-मध्यकाल-आधुनिक काल- हिन्दी और तेलुगु का इतिहास और दृष्टियाँ - तुलनात्मक अध्ययन ।

इकाई -4 :प्रवृत्ति की दृष्टि से हिन्दी - तेलुगु तुलनात्मक अध्ययन :

1. प्रगतिवाद और अभ्युदय कविता
2. छायावाद और भाव कविता
3. प्रयोगवाद और दिगंबर कविता
4. समकालीन हिन्दी - तेलुगु कविता

इकाई -5 साहित्य विधा की दृष्टि से हिन्दी - तेलुगु साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन।

पाठ्य पुस्तकें:

1. **तुलनात्मक शोध और समीक्षा** : पी. आदेश्वर राव, प्रगति प्रकाशन, आगरा ।
2. **हिन्दी और तेलुगु कवियों का तुलनात्मक अध्ययन** : शिव सत्यनारायण ।

सहायक ग्रंथ:

1. तुलनात्मक साहित्य - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,नई दिल्ली ।
2. तुलनात्मक साहित्य की भिका - इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल, दिल्ली ।
3. साहित्य सिद्धांत - रेनेवेलेक आण्ड आस्टिनरेन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. स्वच्छंदतावादी काव्य का तुलनात्मक अध्ययन - पी. आदेश्वर राव, प्रगति प्रकाशन, आगरा ।
5. सुमित्रानंदन पंत और कृष्णाशास्त्री : एक तुलनात्मक अध्ययन - डॉ.पी.ए. राजु,आन्ध्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाल्टेर।
6. हिन्दी और तेलुगु के कृष्ण काव्यों का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. के, रामनायन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
7. आंध्र हिन्दी रूपक - डॉ. आई. पांडुरंगाराव ।
8. आधुनिक हिन्दी - तेलुगु काव्यधाराओं का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. एस.सूरप्पडु, ऋषभचरण जैन एवं संतति, दरियागंज, दिल्ली ।
9. भारतीय उपन्यास साहित्य की भूमिका - डॉ. आर. एस. सर्राजु, सीताप्रकाशन, मोती बाजार, हाथरस ।
10. हिन्दी और तेलुगु की प्रगतिवादी काव्यधाराओं का तुलनात्मक अध्ययन-रामनायुडु - दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास ।
11. आधुनिकता बोध और तेलुगु काव्यधारा के संदर्भ - डॉ. आर. एस. सर्राजु, सीताप्रकाशन, मोती बाजार, हाथरस ।
12. हिन्दी और तेलुगु तुलनात्मक अध्ययन - प्रो. जी. सुंदर रेड्डी ।
13. हिन्दी तेलुगु कहानियों का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. एस.एम. इकबाल, ऋषभचरण जैन एवं संतति, दरियागंज, दिल्ली ।
14. हिन्दी और तेलुगु नीतिकाव्यों का तुलनात्मक अध्ययन - के. शिव सत्यनारायण ।

A. SRIKRISHNA, M.A.,Ph.D.
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 510

Semester -IV

Paper III. Hindi Literature of Andhra's

403 HN 21- आन्ध्रों का हिन्दी साहित्य

(पद्य, गद्य, नाटक)

इकाई-1. आन्ध्रों का अनुवाद साहित्य- तेलुगु से हिन्दी और हिन्दी से तेलुगु

इकाई-2. विश्वंभरा (अनूदित कविता)

इकाई-3. आखिर जो बचा (उपन्यास)

इकाई-4. कन्याशुलक्म (नाटक)

इकाई-5. आलोचनात्मक निबंध

1. **प्रो. पी. आदेश्वर राव**
2. **प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी**
3. **प्रो. भीमसेन निर्मल**
4. **प्रो. वै. लक्ष्मी प्रसाद**
5. **प्रो. एस. ए. सूर्यनारायण वर्मा**

Reference Books

1. Hindi aur Telugu kaavy mein Pragativaadee Chetana-Dr. N. Rangayya
2. Andhra mein Hindi lekhan aur Shikshan Sthiti aur gati- Dr. I. N. Chandrashekhar Reddy.
3. Telugu Bhasha ka Itihas- Mool Telugu Lekhak- Achaary Velamala Simmana, Hindi Roopaantar- prof. S.A. Sooryanaaraayan Varma.
4. Hindi kavitaon ko Andhron kee den- Achaary Yaarlagadda Lakshmeeprasaad.

SEMESTER
PAPER-IV: HISTORY OF HINDI LANGUAGE
404HN21 - हिन्दी भाषा का इतिहास

पाठ्यांश

इकाई -1 : A. संसार की भाषाओं का ऐतिहासिक (परिवारिक) वर्गीकरण ।
B. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास - संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश ।
C. हिन्दी तथा अन्य भारतीय आर्य भाषाएँ, भारतीय आर्य भाषाओं का-वर्गीकरण-ग्रियर्सन तथा चटर्जी के अभिमत

इकाई -2 :हिन्दी भाषा का स्वरुप तथा हिन्दी की बोलियाँ ।

इकाई -3 :हिन्दी कारकों का विकास और इतिहास ।

इकाई -4 :हिन्दी के सर्वनामों का विकास और इतिहास ।

इकाई -5 :भारत की प्राचीन लिपियाँ - खरोष्ठी और ब्राह्मी, देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास

पाठ्य पुस्तकें:

1. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद ।
2. हिन्दी भाषा -भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद ।

सहायक ग्रंथ:

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
2. हिन्द भाषा और लिपि-धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।
3. सामान्य भाषा विज्ञान - बाबूराम सक्सेना, हिन्दी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।
4. हिन्दी : उद्भव, विकास और रूप - हरदेव बाहरी, किताब महल इलाहाबाद ।
5. हिन्दी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A., Ph.D.
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 510

IV-SEMESTER
PAPER-V: SPECIAL STUDY – CHAYAVAD
405HN21 - विशेष अध्ययन : छायावाद

<u>पाठ्यांश</u>

<u>इकाई -1</u> : स्वच्छन्द और छायावाद-छायावाद में रहस्यानुभूति का स्वरूप, छायावादी कविता मे स्वच्छन्द कल्पना-छायावदी कवियों के राष्ट्रीय गीत-छायावादी कवियों का सौन्दर्य-बोध-छायावादी काव्य बिम्बविधान-छायावादी काव्यभाषा की विशेषताएँ-छायावादी प्रबन्धकल्पना की नवीनता।

<u>इकाई -2</u> : प्रसाद का जीवन-दर्शन-समरसता और अनन्दवाद- सौन्दर्य-बोध-कामायनी की प्रतीक-पद्दति-कामायनी का महाकाव्यत्व।

<u>इकाई -3</u> : निराला के काव्य में क्रांति चेतना-सरोज-स्मृति और शोक-गीत- "राम की शक्ति पूजा" की विशेषताएँ-कुकुरमत्ता का ऐतिहासिक महत्वमुक्तछंद।

<u>इकाई -4</u> : पंत के विम्ब - पन्त की काव्ययात्रा के विविध सोपान -"पल्लव" की भूमिका प्रकृति चित्रण - कल्पनाशीलता - पन्त की काव्य भाषा - पन्त की सौन्दर्य चेतना।

<u>इकाई -5</u> : महादेवी के काव्य में गीति तत्व - रहस्यवाद - वेदना का स्वरुप - महादेवी की काव्य-भाषा।

<u>पाठ्य पुस्तकें:</u>

1. कामायनी - प्रसाद - चिंता, श्रद्धा, आनंद
2. राम की शक्ति पूजा - निराला - कविताएँ
   i. सरोज स्मृति
   ii. कुकुरमुत्ता
3. पल्लव - पंत
4. संधिनी - महादेवी

<u>सहायक ग्रंथ:</u>

1. कवि निराला - नंददुलारे वाजपेयी - मैरूमित्तन, दिल्ली।
2. क्रांतिकारी कवि निराला - बच्चन सिंह - विश्वविद्यालय, वाराणसी।
3. प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर - भारती अण्डारख प्रयाग ।
4. कामायनी के अध्ययन की समस्यायाँ - नगेन्द्र, नेशनल - दिल्ली।
5. सुमित्रानंदन पंत - नगेन्द्र - नेशनल
6. कवि पंत और उनकी छायावादी रचनाएँ - प्रो.पी.ए. राव, प्रगति प्रकाशन, आगरा।

Dr. K. SRIKRISHNA, M.A. Ph.D
Asst. Co-ordinator
DEPARTMENT OF HINDI
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 51

DURATION OF THE PROGRAMME:

Minimum: Two Academic Years from the year of joining of the course (Four Semesters). **Maximum:** Five Academic Years from year of joining of the course for securing First Class or Second Class.

INSTRUCTIONAL DELIVERY MECHANISM:

University has its own faculty for M.A. (Hindi) department and all the faculty members will act as resource persons. Our University has blended mode delivery mechanism i.e., ICT and Conventional modes.

MEDIA OF DELIVERY MECHANISMS:

- **Printing:** The study material delivery media include Printing of books which are issued to the students who are enrolled for the programme.
- **Online:** On line PDF format content is also given access to the students who wish to study through online mode.
- **Audio Video Materials:** Audio Video material is also available for students for better understanding of the course material.
- **Conducting virtual classes:** Virtual classes are also being conducted at regular intervals for students.
- **Interactive sessions, and Discussion boards:** In distance Education, face to face contact between the learners and their tutors is relatively less and therefore interactive sessions are conducted. The purpose of such interactive session is to answer some of the questions and clarify doubts that may not be possible in other means of communication. This programme provides an opportunity to meet other fellow students. The Counsellors at the study centres are expected to provide guidance to the students. The interactive sessions are conducted during week ends and vacations to enable the working students to attend.
- **Student support services:** Student support services include Internet enabled student support services like e-mails, SMS and even an app is planned. Student feed back mechanism is created and feed back is designed. Student Learning Managemnet Sysyem (LMS) is customized to every student. For every student customized examination management system (EMS) is also created facilitationg self evaluation, demo tests, model question papers and periodical Internal Assessments.
- **Credit System:** University has adopted Choice Based Credit System (CBSE) under semester mode from 2013. The same has been approved by relevant Statuatory boards in Distance mode also.
- **Admission procedure:** In M.A. (Hindi) programme candidates can take admission directly. For this purpose, CDE, ANU will advertise for admissions. Then candidates should apply in prescribed format of the CDE after publication of the advertisement.
- **Eligibility Criteria**: The eligibility for admission of this course is Any bachelors degree with Hindi as second Language/ B.A.with Hindi as Special subject/ Rastra Bhasha Praveena from

Dakshin Bharat Hindi Prachar Sabha of Madras / Sahitya Sammalan or Visharad Diploma or Hindi Vidwan program of Allahabad or Hindi Prachar Sabha, Hyderabad.

- **Fee Structure:** The total course fee is Rs. 15,280/-.
- **Policy of programme delivery:** Our University has blended mode delivery mechanism i.e., ICT and Conventional modes. In conventional mode printed material is given and also online mode of delivery with learning management system is adopted.

• **Activity planner**: There is an yearly academic plan and as per plan interactive sessions, assignments, examinations etc are conducted to the candidates.

• **Evaluation System**: Periodical progress of learning is evaluated by web based feed back mechanism in the Learning Management System. Evaluation of learner progress is conducted as follows:

(i) The examination has two components i.e., continuous evaluation by way os assignments (30 %0 and term end University Examination (70 %).

(ii) Each student has to complete and submit assignment in each of the theory paper before appearing to the term end examination. The term end examination shall be of 3 hours duration.

(iii) Minimum qualifying marks in each paper is 40 % indivually in internal and term end examination. The candidates who get 60 % and above will be declared as passin First Division, 50 % to below 60 % as Second Division and 40 % to below 50 % as Third Division

(iv) THe Centre for Distance Education, Acharya Nagarjuna University will conduct the examinations, evaluations and issue certificates to the successful candidates.

(v) All the term end examinations will be conducted at the examination centres fixed by the CDE.

(vi) Qualitatively the examinations conducted for the students of the Distance Education are on par with the examinations conducted for the regular University students.

LIBRARY SUPPORT AND LIBRARY RESOURCES : The M A Hindi programme is based on the theory and does not contain practical papers. Hence, no need of Laboratory support. However, University Library is accessble to all the students of distance education. University provides compter library facility with internet facility to learners for their learning. Additionally every department in the University has a well equipped library which is accessable to all the students. CDE also provides a compendium of web resources to every student to support learning.

COST ESTIMATE : The Programme fee for I year is Rs. 6,730/-, and II year is 8,550/-. The university will pay the remuneration to Editors and lesson writers as per university norms. DTP charges, Printing of books and Examination fees will be paid by the ANUCDE as per prescribed norms. This institution is providing high quality programmes at low cost.

QUALITY ASSURANCE: Quality assurance comprises the policies, procedures and mechanisms which that specified quality specifications and standards are maintained. These include continuous revision and monitoring activities to evaluate aspects such as suitability, efficiency, applicability and efficacy of all activities with a view to ensure continuous quality improvement and enhancement. The programme is designed with a focus on the proposed learning outcomes aimed at making the learner industry ready also for career advancement, enterprenureal development, and as wealth creators. There is a continuous evaluation of learning and of competence internally and also by ICT enabled feed back mechanism and Centre for Internal Quality Assurance (CIQA). The University ensures maintaining quality in education provided through open and diatance learning mode. As per the need of the information society and professional requirement, the University ensures to change the mechanism from time to time along with enhancement of standard in course curriculum and instructional design. Therefor, the outcomes of the programme can meet the challenges in the changing society.

DIRECTOR
CENTRE FOR DISTANCE EDUCATION
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 510.

REGISTRAR
ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY
NAGARJUNA NAGAR - 522 510.
GUNTUR (A.P.) INDIA.